तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 27/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 18 अप्रिल, 2019

(www.trai.gov.in)

28 फरवरी, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1183.68**	**21.72**	**1205.40**
फरवरी, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.71	-0.08	1.63
मासिक वृद्धि दर	0.14%	-0.36%	0.14%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**656.57**	**18.67**	**675.24**
फरवरी, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.38	-0.05	2.33
मासिक वृद्धि दर	0.36%	-0.25%	0.35%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**527.11**	**3.05**	**530.16**
फरवरी, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-0.67	-0.03	-0.70
मासिक वृद्धि दर	-0.13%	-1.00%	-0.13%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**90.20**	**1.65**	**91.86**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	157.18	4.47	161.65
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.93	0.34	59.27
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.47%	85.95%	56.02%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.53%	14.05%	43.98%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**531.95**	**18.29**	**550.24**

- फरवरी, 2019 के माह में 5.28 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से जनवरी, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 417.82 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 423.11 मिलियन हो गया।

- फरवरी, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1,022.62 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

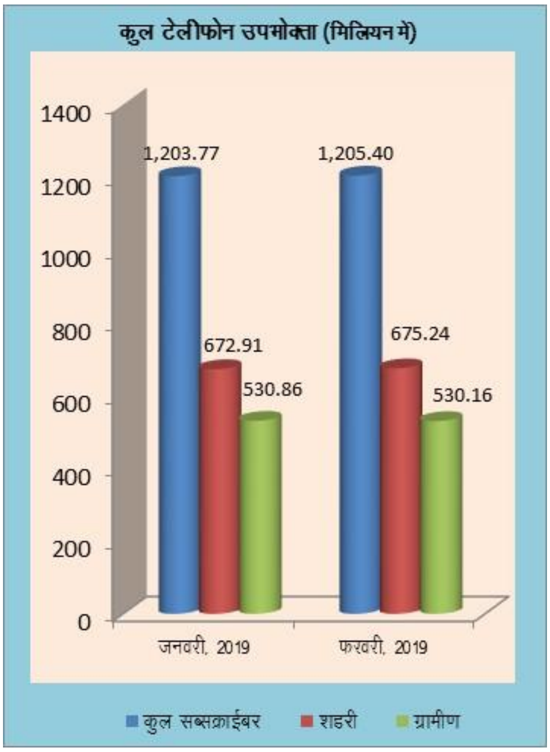

- जनवरी, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,203.77 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 1,205.40 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.14 प्रतिशत दर्ज की गयी। जनवरी, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 672.91 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 675.24 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 530.86 मिलियन से घटकर 530.16 मिलियन हो गई। फरवरी, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.35 प्रतिशत तथा –0.13 प्रतिशत रही।

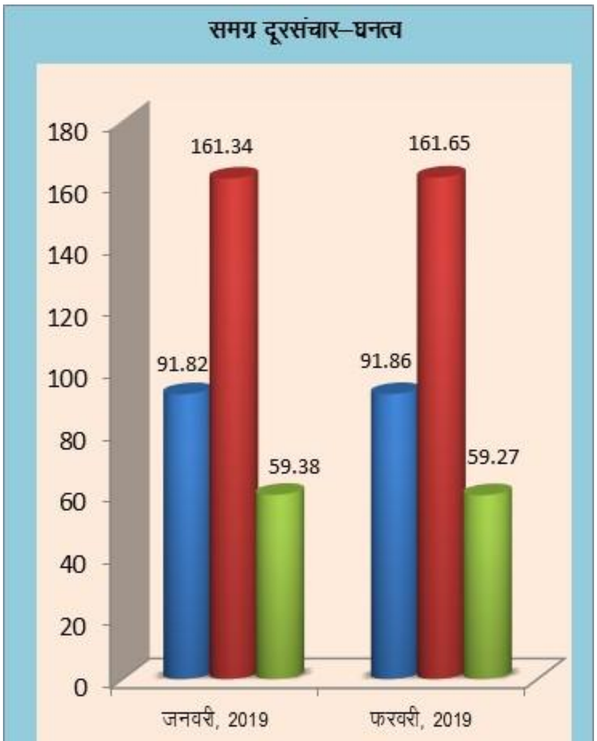

- जनवरी, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.82 से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 91.86 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2019 के अंत तक 161.34 से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 161.65 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2019 के अंत तक 59.38 से घटकर फरवरी, 2019 के अंत तक 59.27 हो गया। फरवरी, 2019 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.02 प्रतिशत तथा 43.98 प्रतिशत थी।

दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

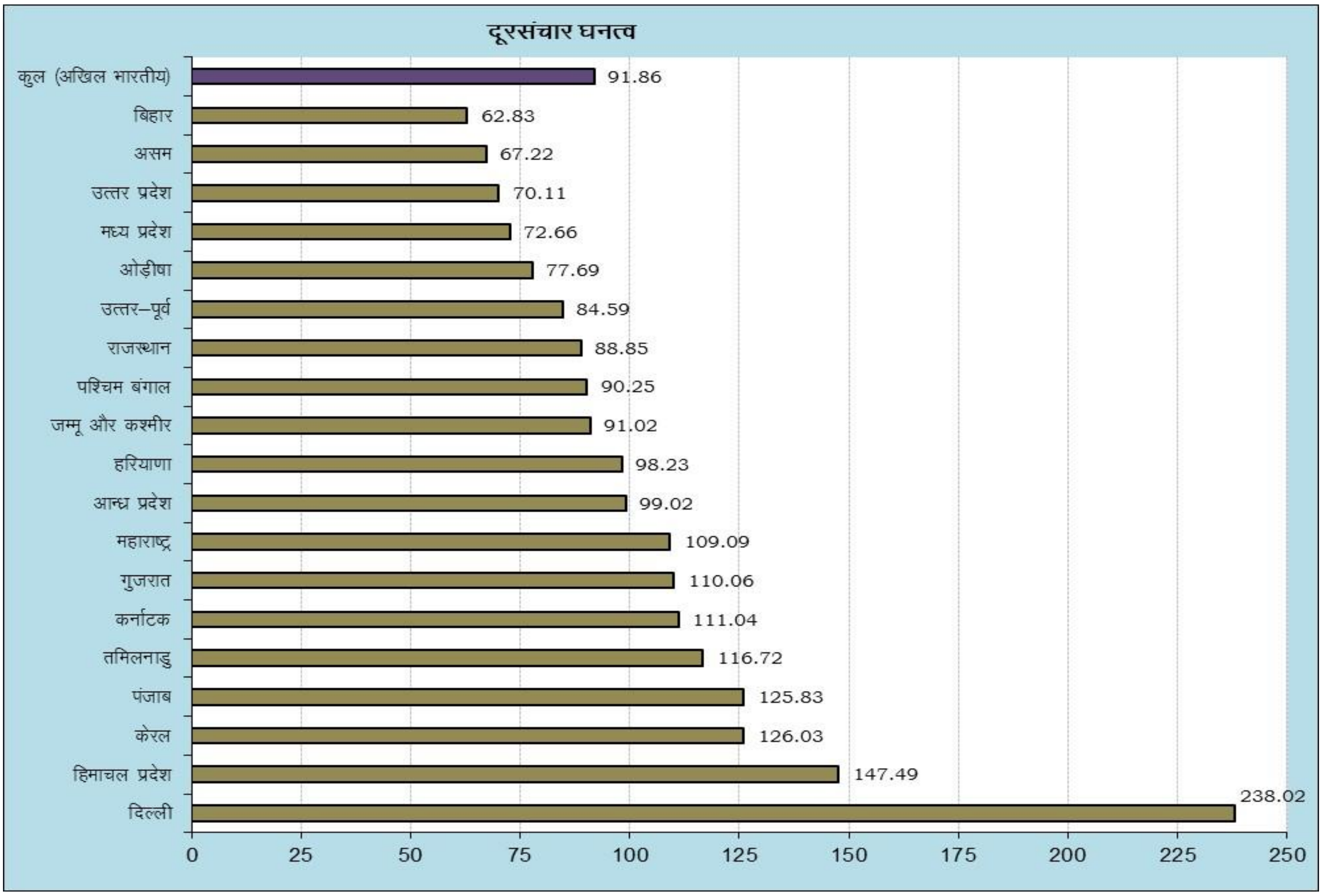

- फरवरी, 2019 के अंत में दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 238.02 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 62.83 रहा।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलिफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

फरवरी, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	फरवरी, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-50,761	78,929	8,530,700	405,709,989
श्रेणी – ख	-31,355	312,987	5,397,865	481,771,535
श्रेणी – ग	-8,246	1,070,008	903,118	179,225,061
महानगर	12,662	245,220	6,884,575	116,972,272
अखिल भारतीय	**-77,700**	**1,707,144**	**21,716,258**	**1,183,678,857**

फरवरी, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2019 से फरवरी, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2018 से फरवरी, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.59	0.02	-6.03	0.67
श्रेणी – ख	-0.58	0.07	-7.30	4.90
श्रेणी – ग	-0.90	0.60	-13.59	0.71
महानगर	0.18	0.21	-1.91	0.29
अखिल भारतीय	**-0.36**	**0.14**	**-5.44**	**2.32**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक तथा वार्षिक दोनों आधार पर निबल वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, फरवरी, 2019 माह के दौरान महानगर श्रेणी के अलावा सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में मासिक आधार पर उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है। हालांकि इसी दौरान वार्षिक आधार पर सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,181.97 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 1,183.68 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.14 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2019 के अंत तक 654.20 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 656.57 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 527.77 मिलियन से घटकर 527.11 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.36 प्रतिशत तथा –0.13 प्रतिशत रही।

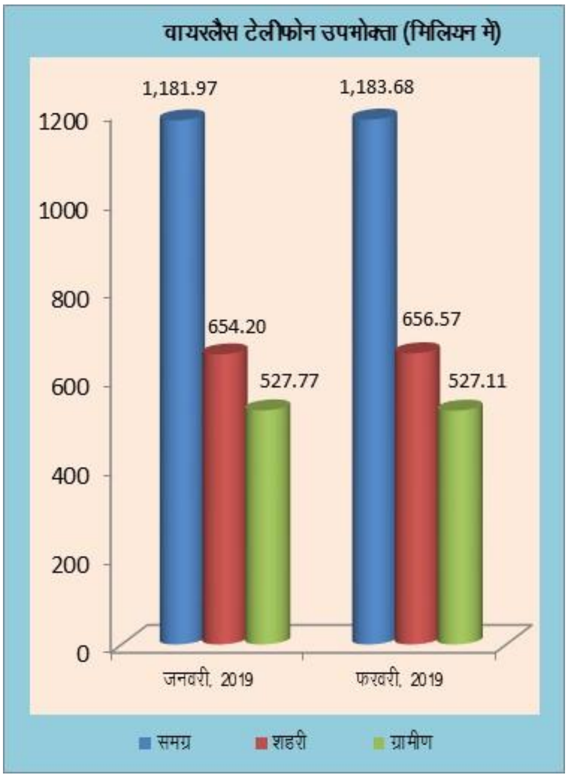

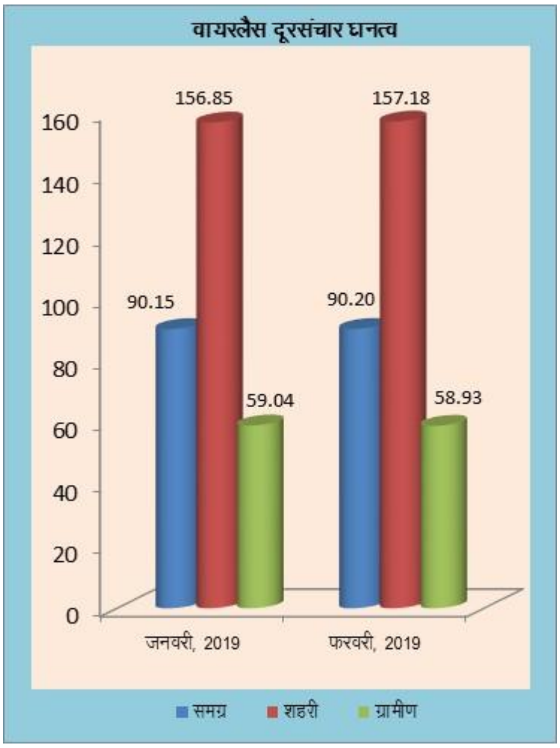

- जनवरी, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 90.15 से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 90.20 हो गया। शहरी क्षेत्रों में जनवरी, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 156.85 से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत में 157.18 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 59.04 से घटकर 58.93 हो गया। फरवरी, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.47 प्रतिशत तथा 44.55 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.88 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.12 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

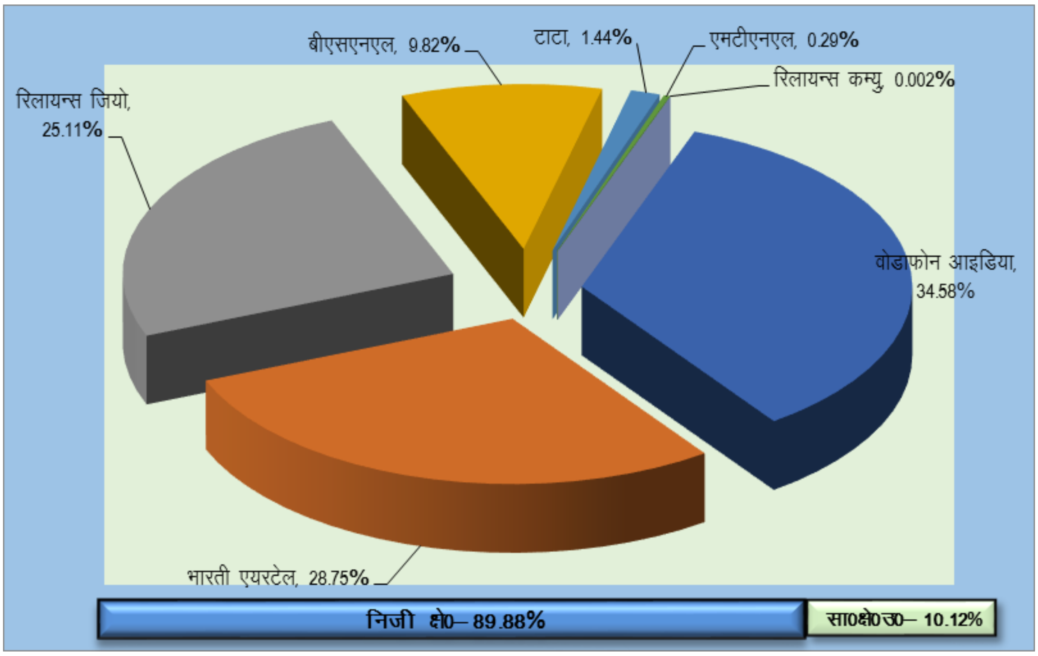

फरवरी, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

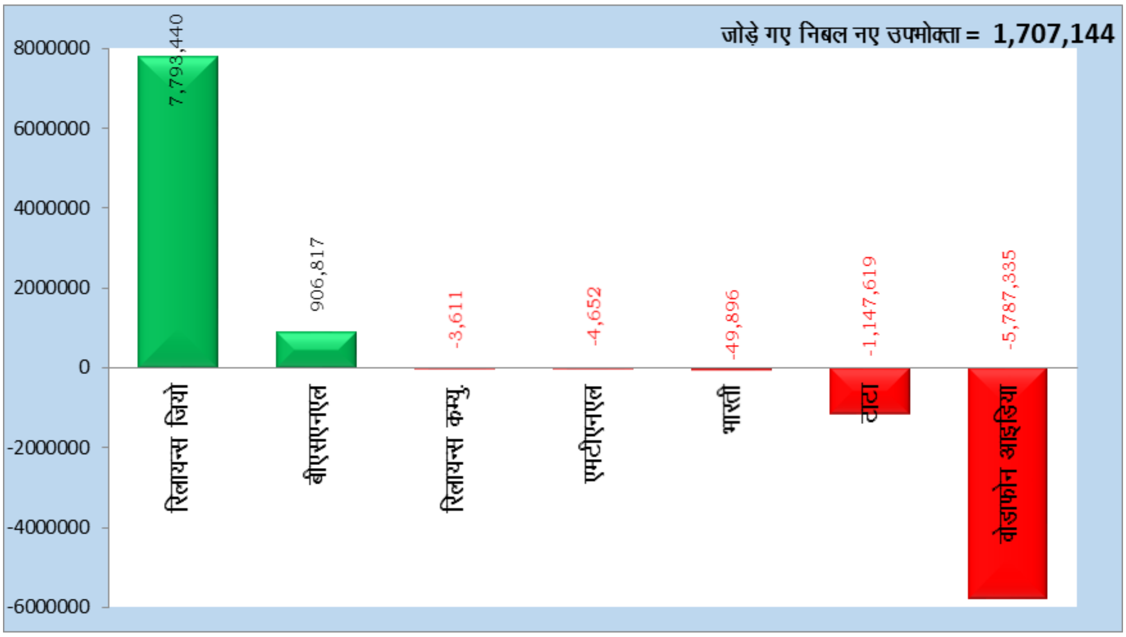

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- फरवरी, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,183.68 मिलियन) में से 1,022.62 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 86.39 प्रतिशत था।

- फरवरी, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

फरवरी, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

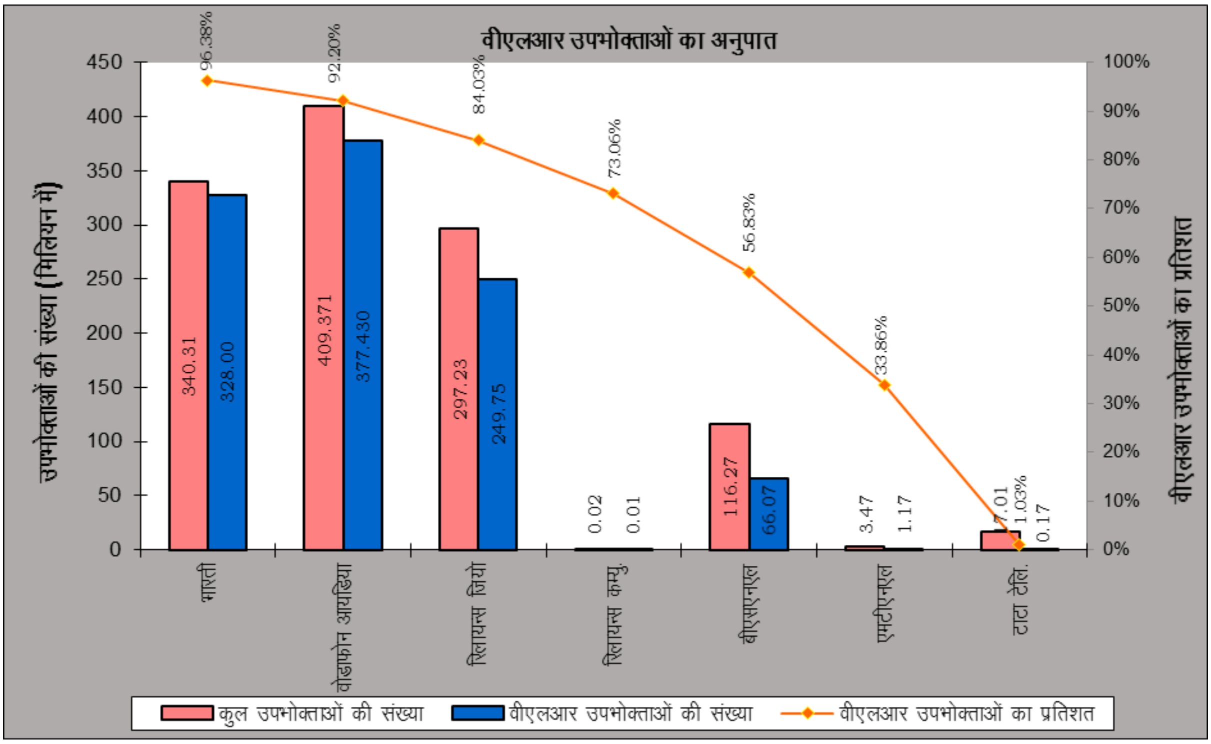

- फरवरी, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 96.38 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

फरवरी, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

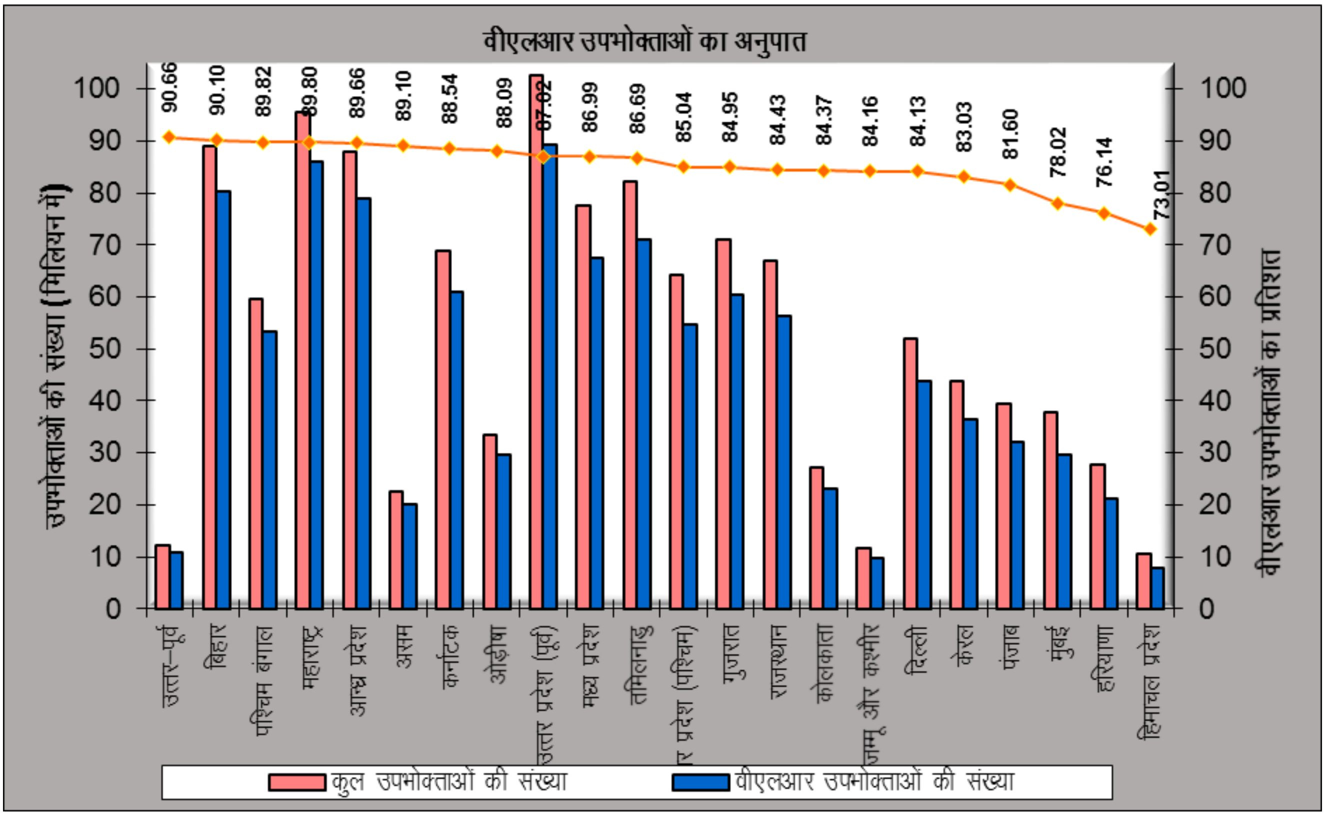

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

फरवरी, 2019 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

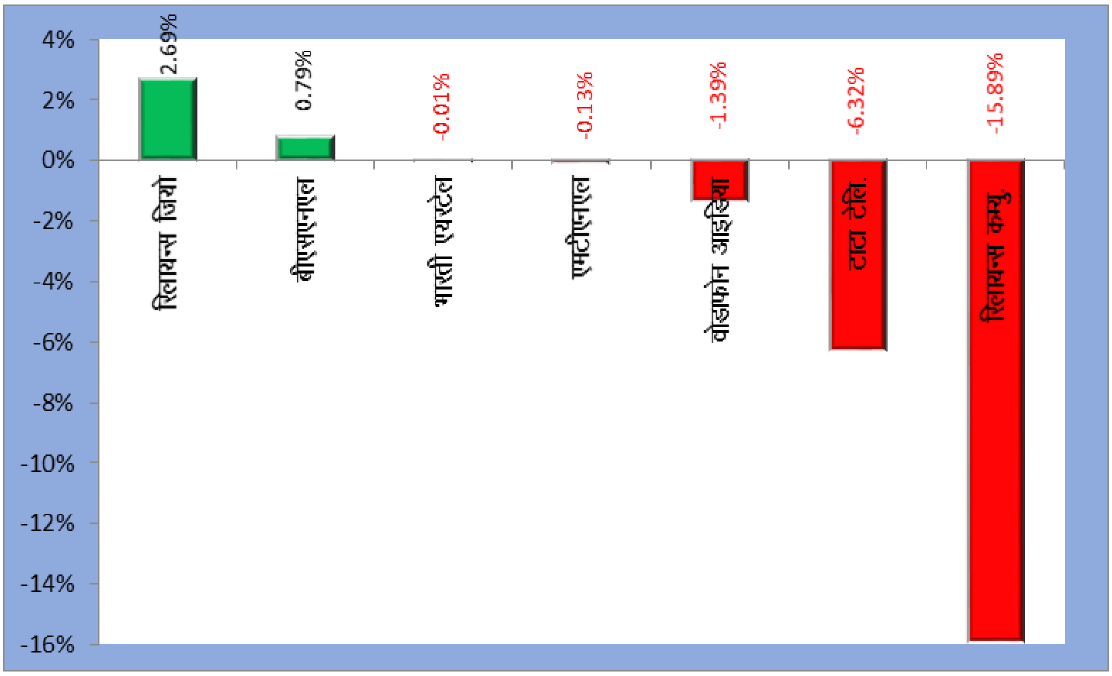

फरवरी, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

- फरवरी, 2019 के माह के दौरान वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में, असम सेवा क्षेत्र में अधिकतम मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई तथा उत्तर प्रदेश (पश्चिम) सेवा क्षेत्र में अधिकतम ह्रास दर दर्ज की गई है।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंत:सेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- फरवरी, 2019 के माह में कुल 5.28 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 5.28 मिलियन अनुरोधों में से 2.89 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 2.39 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध जनवरी, 2019, 2018 के अंत तक 417.82 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत तक 423.11 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 33.89 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 30.62 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 39.50 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 35.93 मिलियन) एवं तमिलनाडु में (लगभग 35.92 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–I			जोन–II		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019		जनवरी, 2019	फरवरी, 2019
दिल्ली	21.45	21.71	आन्ध्र प्रदेश	35.50	35.93
गुजरात	27.51	27.96	असम	3.32	3.35
हरियाणा	15.18	15.38	बिहार	16.39	16.74
हिमाचल प्रदेश	2.02	2.05	कर्नाटक	39.18	39.50
जम्मू और कश्मीर	1.00	1.02	केरल	10.07	10.20
महाराष्ट्र	30.01	30.62	कोलकाता	10.13	10.22
मुंबई	21.64	21.84	मध्य प्रदेश	27.33	27.69
पंजाब	15.94	16.17	उत्तर–पूर्व	1.30	1.31
राजस्थान	33.59	33.89	ओड़ीशा	8.32	8.44
उत्तर प्रदेश–पूर्व	22.85	23.17	तमिलनाडु	35.56	35.92
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	18.36	18.64	पश्चिम बंगाल	21.17	21.37
कुल	**209.55**	**212.45**	कुल	**208.27**	**210.66**
कुल (जोन–I + जोन–II)				**417.82**	**423.11**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (फरवरी, 2019 माह में)					5.28 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2019 के अंत तक 21.79 मिलियन से और घटकर फरवरी, 2019 के अंत तक 21.72 मिलियन हो गया। इस माह में 0.36 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.07 मिलियन की निबल कमी हुई। फरवरी, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.95 प्रतिशत तथा 14.05 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2019 के अंत में 1.66 से घटकर फरवरी, 2019 के अंत में 1.65 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.47 तथा 0.34 रहा।

- फरवरी, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 66.77 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- फरवरी, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

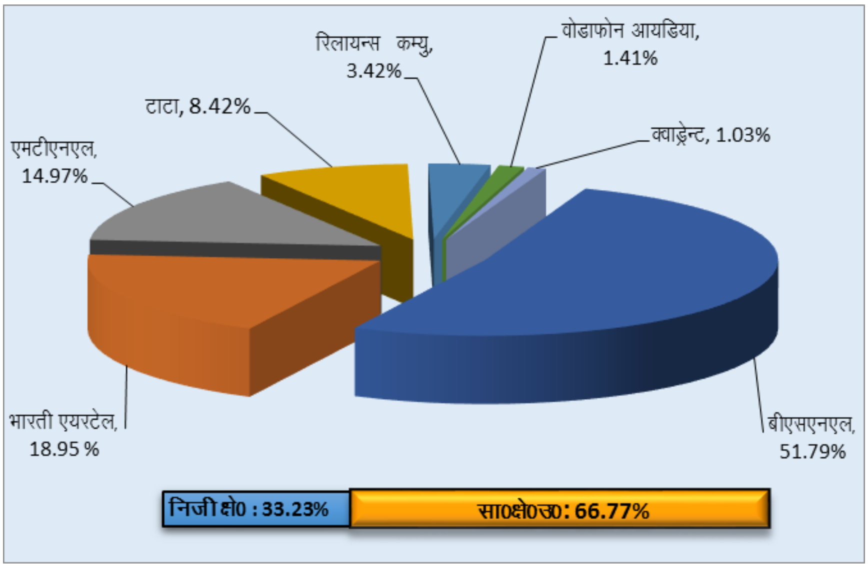

फरवरी, 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

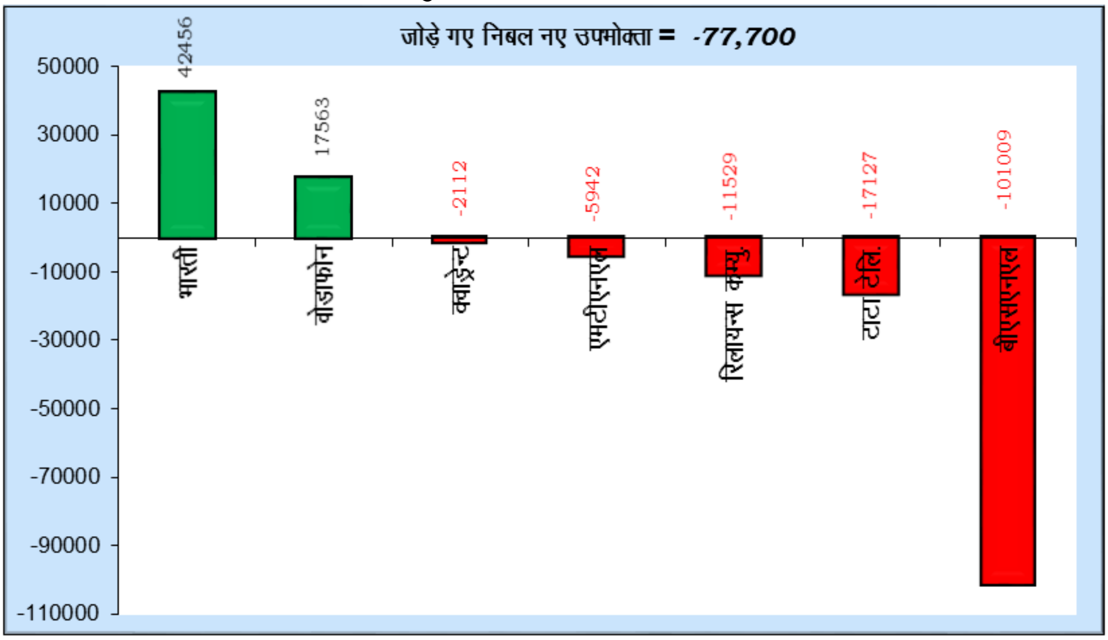

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- 313 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 540.04 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2019 के अंत में 550.24 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.89 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		फरवरी, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.27	18.29	0.11%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	521.35	531.54	1.95%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू–प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.42	0.42	-0.10%
कुल	**540.04**	**550.24**	**1.89%**

- फरवरी, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.65 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (297.23 मिलियन), भारती एयरटेल (112.13 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.25 मिलियन), बीएसएनएल (21.01 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (2.17 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

दिनांक 28.02.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

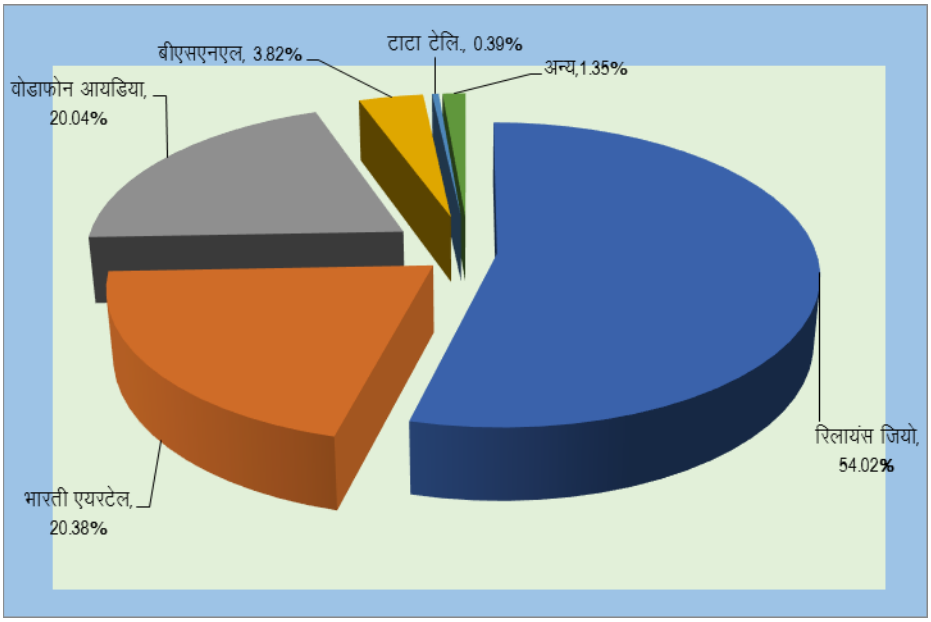

- दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार <u>वायरलाईन</u> सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.17 मिलियन), भारती एयरटेल (2.33 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.41 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.79 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.76 मिलियन) थे।

- दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े <u>वायरलेस</u> ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (297.23 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.23 मिलियन), भारती एयरटेल (109.80 मिलियन), बीएसएनएल (11.84 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.72 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेल: skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत:

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																	
	भारती		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		टाटा टेलि.		एमटीएनएल		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		रिलायंस जियो		कुल	
	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019
आन्ध्र प्रदेश	29807948	29803288	2304	1919	22929051	22632175	1648423	1567617	10176735	10147764					23301106	23884329	**87865567**	**88037092**
असम	8384938	8387735			5518973	5493436	0	0	2418559	2502807					5852380	6031027	**22174850**	**22415005**
बिहार	39361605	39365655	170	187	23127009	22708688	294711	270623	5092654	5284522					20729722	21474536	**88605871**	**89104211**
दिल्ली	15167551	15161922	3895	2775	19658629	19533394	49263	20					2218237	2215617	14591593	14983601	**51689168**	**51897329**
गुजरात	12326435	12320998	389	409	33661617	33216380	829599	757856	5848936	5915704					18379190	18910786	**71046166**	**71122133**
हरियाणा	3813714	3816304	142	157	11165328	11004097	800309	753295	4908887	4906008					7174884	7370933	**27863264**	**27850794**
हिमाचल प्रदेश	3616874	3615002	72	72	1337270	1311235	3896	3221	2786927	2804626					2808843	2857055	**10553882**	**10591211**
जम्मू और कश्मीर	5643221	5639669			1309305	1273347	0	0	1229353	1231687					3356333	3385087	**11538212**	**11529790**
कर्नाटक	27192232	27193785	3165	1878	15691056	15436841	3058244	2918884	7143153	7178488					15730664	16101111	**68818514**	**68830987**
केरल	5133203	5133759	372	338	20472029	20439838	301947	278942	10848994	10868008					7077438	7163079	**43833983**	**43883964**
कोलकाता	6441769	6439257	44	34	9665258	9534292	1042456	980404	1845008	1896262					8275299	8386791	**27269834**	**27237040**
मध्य प्रदेश	15622507	15615637	679	721	31943152	31616279	1854267	1743985	6141456	6132619					21785141	22359824	**77347202**	**77469065**
महाराष्ट्र	16411938	16403619	897	769	48571813	48106467	1559214	1430241	7018169	7108327					21896059	22585005	**95458090**	**95634428**
मुंबई	8449084	8449569	5527	5092	15792934	15768365	796565	719749					1251734	1249702	11472206	11645426	**37768050**	**37837903**
उत्तर–पूर्व	5337377	5337843			2292075	2280327	0	0	1656268	1669984					2702898	2774210	**11988618**	**12062364**
ओड़ीशा	13120578	13114170	114	127	5693390	5458096	502418	466573	5549614	5700991					8427506	8782523	**33293620**	**33522480**
पंजाब	10362767	10364241	190	203	11173160	10997595	857321	813501	5417523	5408371					11557594	11772092	**39368555**	**39356003**
राजस्थान	23365992	23357537	302	338	18566894	18253004	115754	101331	5749143	5842883					18907200	19280561	**66705285**	**66835654**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25772389	25771860	3335	2875	24652288	23907799	1384014	1297656	11912285	11960560	33835	40786			18684577	19103813	**82442723**	**82085349**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	32740803	32742229	671	684	36407320	35998380	1706137	1621908	11911552	11946298					19645090	20422130	**102411573**	**102731629**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13773562	13775731	65	62	28832961	28022189	1317673	1252774	5956749	5954341					14822507	15177976	**64703517**	**64183073**
पश्चिम बंगाल	18516217	18502998	396	478	26696504	26378457	35403	31415	1713338	1764919					12263311	12783086	**59225169**	**59461353**
कुल	**340362704**	**340312808**	**22729**	**19118**	**415158016**	**409370681**	**18157614**	**17009995**	**115325303**	**116225169**	**33835**	**40786**	**3469971**	**3465319**	**289441541**	**297234981**	**1181971713**	**1183678857**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-49896		-3611		-5787335		-1147619		899866		6951		-4652		7793440	0	1707144
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*163121778*	*157499361*	*0*	*0*	*218676421*	*215081102*	*2451905*	*2272559*	*36389567*	*40379934*	*0*	*0*	*46361*	*46306*	*107087183*	*111825749*	527773215	527105011

अनुलग्नक–**II**

फरवरी, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा टेलि.	कुल
आन्ध्र प्रदेश	98.33	69.04	100.18		73.48	83.48	0.71	**89.66**
असम	95.67	61.85	89.94			90.51		**89.10**
बिहार	89.36	52.79	97.27		58.82	94.17	0.13	**90.10**
दिल्ली	93.23		90.20	24.66	87.57	75.71	-	**84.13**
गुजरात	95.37	47.90	94.12		56.23	77.06	0.03	**84.95**
हरियाणा	120.57	34.58	91.36		52.23	65.81	0.51	**76.14**
हिमाचल प्रदेश	89.43	42.34	91.05		58.33	74.13	1.15	**73.01**
जम्मू और कश्मीर	89.78	68.58	83.57		-	80.68		**84.16**
कर्नाटक	105.14	61.97	93.70		106.34	83.32	0.80	**88.54**
केरल	102.69	64.86	93.68		67.46	69.17	5.21	**83.03**
कोलकाता	101.99	52.10	90.23		94.12	80.59	6.48	**84.37**
मध्य प्रदेश	99.28	53.64	88.71		56.87	91.89	0.28	**86.99**
महाराष्ट्र	97.17	55.04	93.89		71.52	92.31	0.50	**89.80**
मुंबई	88.59		76.74	50.18	66.97	79.78	1.68	**78.02**
उत्तर–पूर्व	100.33	72.95	86.16		-	86.42		**90.66**
ओड़ीशा	93.78	73.24	93.15		53.54	90.77	0.41	**88.09**
पंजाब	102.10	47.64	95.52		52.71	71.79	0.09	**81.60**
राजस्थान	90.77	46.62	90.06		53.55	83.32	0.58	**84.43**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	96.31	69.90	97.81		69.22	76.19	0.89	**86.69**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	99.53	43.55	89.96		60.23	94.09	0.16	**87.02**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	100.32	43.78	91.74		61.29	82.00	0.20	**85.04**
पश्चिम बंगाल	90.20	89.66	89.22		50.21	90.74	1.02	**89.82**
कुल	**96.38**	**56.83**	**92.20**	**33.86**	**73.06**	**84.03**	**1.03**	**86.39**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स कम्यु.		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन			
	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019	जनवरी, 2019	फरवरी, 2019
आन्ध्र प्रदेश	985688	963708			178463	180695	48015	47497	175062	175213			36370	41730	**1423598**	**1408843**
असम	114500	112736											2850	2850	**117350**	**115586**
बिहार	219952	217854					3216	3217	8441	8364			1800	1710	**233409**	**231145**
दिल्ली			1488195	1485383	1395738	1423397	123031	119866	154808	153571			51960	54300	**3213732**	**3236517**
गुजरात	1007977	1006150			83094	84485	20154	19843	88036	87092			20749	26480	**1220010**	**1224050**
हरियाणा	212772	211183			22958	23065	2743	2736	36043	35730			180	210	**274696**	**272924**
हिमाचल प्रदेश	111438	110612					2916	2796	1890	1851			60	60	**116304**	**115319**
जम्मू और कश्मीर	102887	102452													**102887**	**102452**
कर्नाटक	1036552	1026583			675757	681203	139345	137081	274652	273069			43465	42895	**2169771**	**2160831**
केरल	1801919	1797358			60149	60279	17171	16827	19374	18849			2910	2970	**1901523**	**1896283**
कोलकाता	495473	491254			127551	128772	40049	39746	52914	52654			8810	8780	**724797**	**721206**
मध्य प्रदेश	654871	653663			242481	242605	10896	10553	15207	15161			1020	1050	**924475**	**923032**
महाराष्ट्र	1106754	1095716			90162	91769	48214	47763	286037	281228			18552	18560	**1549719**	**1535036**
मुंबई			1769655	1766525	366209	367590	178454	176821	565439	560615			53627	55301	**2933384**	**2926852**
उत्तर–पूर्व	104216	103675											270	270	**104486**	**103945**
ओड़ीषा	224438	222361					2462	2463	7868	7747			2160	2100	**236928**	**234671**
पंजाब	405325	399135			129519	129926	11938	11833	13562	12443	225073	222961	1680	1680	**787097**	**777978**
राजस्थान	445926	441961			54091	54245	21177	20932	11895	11256			7320	9850	**540409**	**538244**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1451353	1434734			556213	556898	72331	71445	119331	119298			19135	19565	**2218363**	**2201940**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	358261	357813			66481	66289	7093	6528	8186	8070			11870	11960	**451891**	**450660**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	269112	267109			23414	23518	3702	3469	5303	4765			4140	4170	**305671**	**303031**
पश्चिम बंगाल	239193	231541					1722	1684	2423	2368			120	120	**243458**	**235713**
कुल	**11348607**	**11247598**	**3257850**	**3251908**	**4072280**	**4114736**	**754629**	**743100**	**1846471**	**1829344**	**225073**	**222961**	**289048**	**306611**	**21793958**	**21716258**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-101009		-5942		42456		-11529		-17127		-2112		17563		**-77700**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2983421	2953865	0	0	0	0	1476	1475	50699	49814	46307	46024	0	0	**3081903**	**3051178**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

——————